



जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com



प्रो. राजेश कुमार धूड़िया

समन्वयक

9414283388

श्री दिनेशचन्द्र सक्सेना

सदस्य

9829118334

क्रमांक 1419

4 मार्च, 2017

प्रेस विज्ञप्ति

वेटरनरी विश्वविद्यालय में डॉग शो

दुनिया की 23 श्वान नस्लों के प्रदर्शन और हुनर से श्वान प्रेमी हुए रोमांचित

अर्द्धसैनिक बलों के प्रशिक्षित श्वानों का लाजवाब प्रदर्शन हुआ

बीकानेर, 4 मार्च। दुनिया भर में पाई जाने वाली 23 श्वानों की प्रजातियों के जलवे का 20वां डॉग शो शनिवार को वेटरनरी विश्वविद्यालय में सम्पन्न हो गया। अर्द्धसैनिक बलों के प्रशिक्षित श्वानों के विभिन्न करतबों और हुनर तथा विभिन्न वेशभूषा में श्वानों को देखकर लोग रोमांचित हुए। समारोह की मुख्य अतिथि राजुवास की प्रथम महिला श्रीमती अरुणा गहलोत और कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत ने शांति के प्रतीक धवल कपोतों को मुक्ताकाश में छोड़कर डॉग शो का शुभारंभ किया। वेटरनरी कॉलेज और केनाइन वेलफेयर सोसाईटी द्वारा आयोजित इस वार्षिक समारोह में 57 श्वान पालकों सहित सैकड़ों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की, जिसमें सबसे छोटी प्रजाति का मेक्सिकन "चिहुआहुआ", सबसे बड़ा ग्रेटडेन और भारी भरकम सैन्ट बर्नार्ड प्रजाति के श्वान प्रमुख आकर्षक बने रहे। डॉग शो में रोडेशियन प्रजाति का दुर्लभ श्वान और बेल्जियम शैफर्ड की चुश्ती और चालाकी के कारनामों से श्वान पालक रुबरू हुए। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भागीरथ सिंह ने कहा कि राजुवास द्वारा ऐसे आयोजन उसकी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्वामीभक्त श्वानों में पाई जाने वाली विशेषताओं और उपयोगिता को प्रोत्साहन मिलता है। प्रो. सिंह ने लोगों से घूमंतु श्वानों को भी अपनाये जाने का आग्रह किया। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत ने कहा कि डॉग शो श्वानों के कल्याण और आमजन में स्वस्थ श्वान पालन के प्रति जागरूकता लाने के साथ साथ पशुचिकित्सा शिक्षा छात्र-छात्राओं के लिये भी अत्यंत उपयोगी है। डॉग-शो में इण्डो-तिब्बत सीमा पुलिस, जोधपुर के दो श्वानों तथा रेलवे सुरक्षा बल व सी.आई.डी. (जॉन) बीकानेर के एक-एक श्वानों ने ट्रेकर व विस्फोटक पदार्थों को ढूँढ निकालने की क्षमता का प्रदर्शन किया। 'फैन्सी ड्रेस' की प्रतियोगिता में भारी भरकम बर्नार्ड शॉ टॉपी, घड़ी बांधे हुए जूतों में चहलकदमी करने पहुँचा और पॉमेरियन डॉग परी की वेशभूषा में पहुँची तो दर्शकों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। समारोह के प्रारंभ में डॉग-शो आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. जे.एस. महेता और आयोजन सचिव डॉ. दीपिका धूड़िया ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री बी.आर. मीणा, वित्त नियंत्रक श्री अरविंद बिश्नोई वेटरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता प्रो. जी.



जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com



प्रो. राजेश कुमार धूड़िया

समन्वयक

9414283388

श्री दिनेशचन्द्र सक्सेना

सदस्य

9829118334

एस. मनोहर मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश बिहानी व केनाइन वेलफेयर सोसाइटी के सचिव प्रो. अनिल आहुजा सहित डीन-डायरेक्टर भी मौजूद थे। समारोह में अतिथियों ने श्वान पालकों के लिए उपयोगी एक पैम्फलेट का विमोचन किया। डॉग शो में स्कूली बच्चे, महिलाएं, सैनिक असैनिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल बिश्नोई ने किया।

डॉग शो के पुरस्कार विजेता

आयोजन सचिव डॉ. दीपिका धूड़िया ने बताया कि अतिथियों द्वारा समारोह में विभिन्न प्रजातियों के स्वस्थ श्वानों को प्रथम और द्वितीय रहने पर मेडल, प्रशस्ति पत्र और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। श्वान की अन्य बड़ी नस्ल में गुलाब सिंह, सुरेन्द्र सिंह के श्वान संयुक्त रूप से प्रथम और उपविजेता शक्ति सिंह व मंयक भाटी रहे। सेण्ड बर्नार्ड नस्ल में मूमल कंवर तँवर प्रथम व हेमन्त जोशी के श्वान द्वितीय, पीट बुल प्रजाति में यश प्रथम व भानू प्रताप द्वितीय, जर्मन शैफर्ड में डॉ. सौरव भार्गव प्रथम व सौरव द्वितीय रहे। लेब्राडॉर नस्ल में विशाल शर्मा प्रथम व अभिषेक कुलकर्णी के श्वान द्वितीय, पग नस्ल में प्रद्युमन सिंह प्रथम व रुचि दफ्तरी द्वितीय और छोटी नस्ल में ले. कर्नल एस. मखीजा प्रथम व सहदेव सिंह व तेजवीर सिंह संयुक्त द्वितीय स्थान पर रहे। फैंन्सी ड्रेस में हेमन्त जोशी व जसवन्त सिंह के श्वान संयुक्त प्रथम एवं गायत्री के श्वान द्वितीय स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। इस अवसर पर श्वान पालकों के लिए आयोजित डॉग क्विज के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ